



अधिकतम : 22°C  
न्यूनतम : 12°C

अबरे चुपचात नही, छापता है

# शाह टाइम्स

मेरठ, सोमवार 13 अप्रैल 2026 मेरठ संस्करण: वर्ष 19 अंक 311 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00



विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें।  
सुपान पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com

बैसाख कृपा पक्ष 11 विक्रमी सम्बत् 2083

24 शबाल 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुम्बई, देहरादून, इटानगर, गुवाहाटी, कोलकाता, मेरठ व तबकन संस्करण



वोटबैंक के सोदागर बंगाल की डेमोग्राफी को बदलना चाहते हैं: योगी



रुतुराज गायकवाड़ पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना



आम्बेडकरवादी भी जातिवादी हैं!



ईरान से वार्ता विफल होने पर भड़के ट्रम्प, ईरान को बताया जिम्मेदार

## वैश्विक ताकत की रेस में कमजोर हुआ सुपर पावर अमेरिका

वाशिंगटन, वार्ता

ईरान युद्ध में वैश्विक शांति संतुलन में नए समीकरण खड़े कर दिए हैं। जहां अमेरिका को कई मोर्चों पर चुनौतियां का सामना करना पड़ रहा है, वहीं चीन और रूस इस स्थिति का रणनीतिक लाभ उठाते नजर आ रहे हैं।  
आने वाले समय में यह संघर्ष वैश्विक राजनीति को दिला तथ्य करने में अहम भूमिका निभा सकता है। ईरान में जारी युद्ध और उससे उपरज भू-राजनीतिक नवाज में अमेरिका को वैश्विक स्थिति पर भार असा डाला है। विश्वलेकों के मुनासिब इस संघर्ष में न केवल अमेरिका को रणनीतिक पकड़ कमजोर की है, बल्कि रूस और चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों को नए अवसर भी प्रदान किए हैं। हाल ही



### शक्ति संतुलन में नए समीकरण खड़े हुए, ईरान युद्ध से अमेरिका को हटका, कई मोर्चों पर अरसर, चीन-रूस को होगा फायदा

में 14 दिन के संघर्षविराम के बाद भले ही अमेरिका और ईरान दोनों में जीत का दावा किया हो, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में इस घटनाक्रम को अमेरिका के लिए झटके के रूप में देखा जा रहा है। इस रिपोर्ट में उन चार प्रमुख

करने को कोशिश कर रहा है, लेकिन बदलते वैश्विक समीकरणों ने उसकी चुनौतियां बढ़ा दी हैं। शीत युद्ध के दौर में अमेरिका का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में सौवित प्रभाव को सीमित करना था, जबकि साथ ही इजरायल और पाकिस्तान जैसे सहयोगियों के परमाणु विकास पर नजर रखना भी शामिल था। 2020 के दशक में यह फोकस बदलकर चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव को रोकने पर केंद्रित हो गया। वहीं चीन और रूस विभिन्न मंडलों और कुटनीतिक कदमों के जरिए पश्चिम एशिया में अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। चीन ने 2023 में सऊदी-ईरान समझौते में मध्यस्थता की, जबकि रूस ने ईरान और सीरिया के साथ सहयोग बढ़ाया। बदलते हालात में खाड़ी देशों व सूरक्षा और सहयोग के लिए नए

विकल्प तलाश रहे हैं। अमेरिका का रणनीतिक फोकस हाल के वर्षों में लगातार पश्चिम एशिया से हटकर पूर्व-पैसिफिक और पश्चिमी गोलार्ध को ओर बढ़ रहा था, लेकिन ईरान में छिड़े युद्ध ने इस दिशा को उलट दिया। ईरान और अफगानिस्तान के लंबे युद्धों के बाद रूस और चीन ने इसी खालीपन का फायदा उठाते हुए क्षेत्र में अपने सैन्य, कुटनीतिक और आर्थिक संबंध मजबूत किए। नवंबर 2025 को अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में भी पश्चिम एशिया को कम प्राथमिकता देने की बात कही गई थी, लेकिन ईरान युद्ध ने इस नीति में इतिरति स्थिति पैदा कर दी। युद्ध द्वारा बिना सहयोगों के सहाज किए गए फैसलों ने नाटो और अन्य साझेदारों में अस्थिरता बढ़ाई।

## सुप्रसिद्ध गायिका आशा भोसले का निधन

92 साल की उम्र में ब्रिच कैंड्री अस्पताल में ली अंतिम सांस

मुंबई। सुप्रसिद्ध गायिका आशा भोसले का 92 साल को उम्र में निधन हो गया है। रविवार दोपहर मुंबई के ब्रिच कैंड्री अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें शनिवार शाम को वहां भर्ती किया गया था। ब्रिच कैंड्री हॉस्पिटल के डॉ. प्रवीण समदानी ने बताया कि आशा भोसले को कई मिनटों तक सपेयर ऑपरेशन और अंतर्गत फेफड़े वार्ता कई ऑपरेशन होने के कारण उनका निधन हुआ।  
आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया कि जो लोग अंतिम स्थिति जानना चाहते हैं, वे सोमवार सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। अंतिम संस्कार सोमवार शाम 4 बजे शिवाजी



भोसले का पार्थिव शरीर हॉस्पिटल से उनके घर लाया गया। आशा भोसले ने अपने करियर में 20 से अधिक फ़िल्मों में 12,000 से ज्यादा गाने गाए। उनके गाने 'रंग अनांड़ी को मलती', 'मम नारायण दाम', 'पिया तू अब तो आज 'और' 'लिया तू तुमने' आज भी लोकप्रिय हैं। आशा भोसले सपेयर ऑपरेशन और अंतर्गत फेफड़े वार्ता से अंतर्राष्ट्रीय मोंशर की डेटी और सला मोंशर की छोटी बहन थीं। जब भी रिपोर्ट 9 साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने बचन सला मोंशर को साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी।

### संक्षिप्त समाचार

**बुढ़ावन नाव हादसे में दो लापता शव मिले**  
मृतक संख्या हुई 13  
बुढ़ावा उप में मधुपुर जिले के वृंदावन क्षेत्र में यमुना नदी में हुए भीषण नाव हादसे के बाद रविवार को दो लापता शव मिले। मृतक संख्या 13 हो गई है। प्रारंभिक और बचाव दल अब भी तीन लापता लोगों को तलाश में जुटे हैं। रविवार सुबह पंचाब के लुधियाना निवासी चार अंतिम वर्ष की छात्रा हिकी तथा जगजगत् निकासी कृष्ण शर्मा के शव बचाव किए गए। दोनों शव नदी में डूबे लोगों के बचाव रस्सी के सहारे बचाए निकाले गए। पुलिस ने मृतक माहौल में उनको पहचाना। इससे पहले वॉलिवार को फासल कंट्रॉल नावक युवक का शव बचाव था, जिसकी पहचान में वाराणसी था। बचाव कार्य को तेज करके गुरु प्रशासन ने सभी अपेक्षित कारा दायरा 14 किलोमीटर से बढ़ाकर 20 किलोमीटर कर दिया है।

**उत्तर प्रदेश समेत 16 राज्यों में आज से बहुरीं गैरभी**  
नई दिल्ली। देशभर में गर्मी बढ़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान, पूर्ण, एमपी, दिल्ली, गुजरात समेत देश के 16 राज्यों में इस पक्ष पर 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़, ओडिशा में 2 दिन बाद लू चलने की आशंका है। झारखंड, बिहार, बंगाल, जम्मू-कश्मीर, असम, मेघालय, अण्डमान, मणिपुर मिजोरम, त्रिपुरा और नागलैंड में बारिश का अंदाज है। दिल्लीवा शाय को अहसास है और मलाई के आसपास के इलाकों में हल्की बर्फपाती हुई।

**स्टालिन के आरोप तथ्यों से परे, राजनीति से प्रेरित: सीतारमण नई दिल्ली।** विपक्षी सीतारमण ने वल्लभाज के सीएम स्टालिन के उन आरोपों का तथ्यपूर्ण रूप से गलत बताया है। जिसमें उन्होंने कहा था कि बंडू सरकार ने राज्य के धान किसानों को बोनास न देने का निर्देश दिया है। सीतारमण ने कहा कि स्टालिन के आरोप राजनीति से प्रेरित हैं और जनप्रतिकारियों को गुमराह करने के बजाय के तहत लगाए गए हैं। एक राज्य के सीएम के रूप में स्टालिन पर परे बंडू हैं, इस तरह के व्यवहार को उम्मीद नहीं की जाती है।

## इस्लामाबाद में अमेरिका ईरान वार्ता रही बेनतीजा

नहीं हो सका कोई समझौता, दोनों प्रतिनिधिमंडल वापस लौटे

इस्लामाबाद, वार्ता  
पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस्लामाबाद में शान्ति वार्ता को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। 21 घंटे की बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला है और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान से लौटा गया है। इससे अब एक बार फिर संघर्ष शुरू होने की आशंका बढ़ गई है। हालांकि लेवनाज को संकेत स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है।  
पाकिस्तान में हुई उच्च स्तरीय वार्ता के बाद ईरान की प्रतिनिधिमंडल वापस लौट गया है। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है, जब अमेरिका-ईरान वार्ता किसी ठोस समझौते पर नहीं पहुंच सकी। ईरान ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि कुटनीतिक कारा का समापन नहीं होता और वह बातचीत के लिए हमेशा तैयार है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने अंतर्राष्ट्रीय मिडिल ईस्ट की रक्षा और उभे बढ़ते हुए एक महत्वपूर्ण कदम है। ईरान, पाकिस्तान और अन्य मित्र देशों के साथ परामर्श की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। ईरानी अधिकारियों के कह अनुसार वार्ता में बंडू हैं।



**मिडिल ईस्ट में एक बार फिर जंग शुरू होने की आशंका बढ़ी**  
**अमेरिका ने कहा: ईरान ने वाशिंगटन की शर्तों को स्वीकार करने से इन्कार किया**

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से 20 लाख डॉलर शुल्क के साथ 10 जहाजों को गुजरने की अनुमति दी  
नहरान। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से प्रतिदिन लगभग 10 जहाजों को गुजरने की अनुमति देने का फैसला किया है, जिसमें सुरक्षित के लिए शुल्क 20 लाख डॉलर तक हो सकता है। यह जानकारी वॉल स्ट्रेट जर्नल ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है। अखबार के मुताबिक, कई देशों के जहाज मालिक अंतर्राष्ट्रीय संधि के साथ इस स्ट्रेट से गुजरने के लिए वार्ताचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो जहाज इस रास्ते से गुजरेंगे, उन्हें तब तक एक विश्वी मार्ग पर ही चलना होगा और आवश्यक अनुमति लेनी होगी।  
गोतलव ने कि युवावत रात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ दो महीने के युद्धविराम की घोषणा की थी। मौरथन बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास मुरादाबदी ने होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की घोषणा की थी। यह स्ट्रेट इराक के लगभग 20 प्रतिशत तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और एलएलपी को आयात के लिए बंदबंद महत्वपूर्ण माना जाता है।

**पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति से कहा- हम निष्ठा सकते हैं मध्यस्थ की भूमिका**  
मास्को। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच पुतिन को कोशिशों को लेकर नई हलचल देखने को मिली है। पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति पेनेशरकियान से फोन पर बातचीत की और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए एक को भूमिका निभाने की इच्छा जताई। यह बातचीत उस समय हुई है, जब इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान वार्ता कोई ठोस नतीजा नहीं दे सकी। क्रैमलिन के मुताबिक पुतिन ने कहा कि रूस पश्चिम एशिया में राजनीतिक और कुटनीतिक समाधान खोजने में मदद करने के लिए तैयार है।  
था। अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बातचीत का इस्तेमाल करना चाहता था, लेकिन मौजूदा मतभेदों और युद्ध जैसे हालातों के चलते कोई समाधान नहीं निकल सका। युव ने यह भी संकेत दिया कि ईरान ने फिलहाल आगे की वार्ता को लेकर कोई योजना नहीं बनाई है, जिससे कुटनीतिक तनाव और बढ़ सकता है। 21 घंटे तक चली मौरथन के बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने

## भारत ने दी चीन को दो टूक चेतावनी

अरुणाचल के कुछ स्थानों का नाम बदलने के दावे को किया खारिज

नई दिल्ली, वार्ता  
भारत ने चीन को उन कोशिशों को खारिज कर दिया है, जिनमें उसने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस तरह को हकलेतें भ्रामक और निरर्थक हैं और भारत इन्हें पूरी तरह अस्वीकार करता है।  
मंत्रालय के अनुसार चीन को तफ से किया जा यह कथम गलत और बिना आधार का है। भारत का कहना है कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा से देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है और रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ कहा कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा से देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है और रहेगा। चीन के किसी भी तरह के दावे को खारिज करता है। जायसवाल ने दोहराया



**विदेश मंत्रालय ने कहा- इस तरह की हकलेतें भ्रामक व निराधार**  
डूटे दावे करने से जमीनी हकीकत नहीं बदलती। अखिलेश यह भी कहा कि चीन को इस तरह की कोशिशों को खारिज कर दिया है।  
इसे खारिज कर दिया है। जायसवाल ने दोहराया

## राहुल ने 'मैं भी अंबेडकर' नैराथन को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग आयाजित 'मैं भी अंबेडकर' नैराथन को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को हरी झंडी दिखाई।

मौरथन नई दिल्ली के मंडी हाउस स्थित सफर हारामी मार्ग से शुरू होकर डॉ. अंबेडकर नेशनल मॉरीयरल (26, अलीपुर रोड) तक जाएगा। इस आयाजित का संचालन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग ने अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के सहयोग से किया। इस मौके पर गांधी ने कहा कि 'मैं भी अंबेडकर' नैराथन बाबासाहेब अंबेडकर की



के विचारों और भारतीय संविधान के प्रति हमारी अटूट प्रतिक्रिया का प्रतीक है। आज जब संविधान के खिलाफ बाबासाहेब अंबेडकर ने आदर्शों पर चलकर एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।

## चार मई के बाद बंगाल में बनेगी भाजपा की सरकार: मोदी

कोलकाता, वार्ता  
उपधामजी नरेंद्र मोदी ने रविवार को सिलीगुड़ी में एक विधान जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की टीएमपी सरकार को तलाश बोला।  
उपधामजी ने कहा कि शक्ति और सिलीगुड़ी के लोगों ने इरादा नहीं भंगरूप प्यार दिया है और उनके संदेश को न उमड़ा उनसेनावा यह साफ करता है कि बंगाल अब परिवर्तन का मन बना चुका है। उन्होंने कहा कि रूस बंगाल के टीएमपी को जाना तब ही। प्रधामजी ने कहा कि टीएमपी सरकार के 15 साल के साराम में बंगाल सिविल बंडू हकला जो युवा आज पहली बार वोट देने



**टीएमपी को देना होगा पाई-पाई का हिस्सा**  
**सिलीगुड़ी में पीएम ने टीएमपी पर तीखा हमला बोला**  
जारी हैं, वे बंगाल का परिवार तब करेंगे। किसी के भी काम के मूर्यांकन का बहुत

बड़ा समय है। पीएम ने आरोप लगाया कि टीएमपी ने 15 वर्षों में कोई काम नहीं किया, बल्कि विधेन का साराम में बिना ही उन्होंने सिलीगुड़ी को नया बंगाल को प्रशासक द्वारा बनाई है। टीएमपी ने जान-बूझकर मोदी के इन्कार, इन्कार, इन्कार को पीछे धकेला। कोई सरकार ने जो रूस बना, उसे सिडिकने वाले हजम कर गए। पीएम ने कहा कि टीएमपी ने इन्कार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस निर्णय सरकार ने मरदासों के लिए ही 1,000 करोड़ रुपये का बजट दिया, लेकिन बंगाल के विकास के लिए पाई-पाई पैसा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि बंगाल में बंगाल बरिदा और तबारी से खुल रहा था, तब टीएमपी सरकार कोलकाता में बन गया था। पीएम ने टीएमपी को नया

## भाजपा ने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया

नई दिल्ली। भाजपा ने रविवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 3 वोट का व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने को कहा।  
इस दौरान किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। प्रधामजी नरेंद्र मोदी को अध्यक्षता में बुधवार को अधिवेशन में बुधवार को अधिवेशन में बुधवार को बुधवार के लिए मंत्रों से दो मंत्री भी। सरकार ने बजट सत्र को

**16-18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहना होगा, महिला आरक्षण के लिए विशेष सत्र, पीएम ने पत्र लिखा**  
वाराणसी। 16 से 18 अप्रैल तक संसद में व्हिप जारी किया है। संसद से मंत्रों के लिए के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रधामजी होगा।

**संक्षिप्त समाचार**  
**गुजरात हाई कोर्ट ने 'फांसी की सजा वाले को किया बरी**  
 अहमदाबाद। गुजरात हाई कोर्ट ने अहमदाबाद के ओडव इलाके में साल 2017 में हुए चर्चित मां-बेटे के डबल मर्डर केस में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने उस आरापी को बरी कर दिया है, जिसे निचली अदालत ने 'रेयरटेड आफ रेयर' (दुर्लभ से दुर्लभ) मामला मानते हुए मौत की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही कोर्ट ने आरोपी को तुरंत जेल से रिहा करने का भी आदेश दिया है। 6 जून 2017 को अहमदाबाद शहर के ओडव इलाके में बेला पार्क स्थित एक घर से असहनीय दुर्घटना की खबर मिली थी। जब मकान मालिक दिव्येश मोदी ने मौके पर जाकर जांच की, तो उन्हें वहां दो सड़की-गली और कौड़ों से भरी लार्शें मिलीं। पुलिस तपतीश में सामने आया कि ये लार्शें उनके किराएदार विपुल मोदी और कंचनबेन मोदी की थीं। कोर्ट केस के दौरान सरकारी वकील ने पूरी कहानी सामने रखी थी।  
**सर्जन वाइस एडमिरल ने एएमसी के वीर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि**  
 लखनऊ। सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय द्विवेदीएसएम, एसएम, वीएसएम, महानिदेशक चिकित्सा सेवा (नौसेना) ने लखनऊ स्थित आर्मी मेडिकल कॉर (एएमसी) कैंटर एवं कॉलेज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने एएमसी के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। अपने दौर के दौरान उन्होंने शनिवार को लखनऊ छावनी में स्थित एएमसी युद्ध स्मारक 'श्रद्धांजलि' पर माल्यांगन किया। उन्होंने उन सैनिकों को याद किया। इस कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल शिवेंद्र सिंह, वीएसएम, जो एएमसी कैंटर एवं कॉलेज के कमांडेंट हैं, भी उपस्थित रहे।

# वोट बैंक के सौदागर बंगाल की डेमोग्राफी बदलना चाहते हैं: योगी

## दंगाइयों का इलाज कर देगी डबल इंजन सरकार

**सोनामुखी (बांकुड़ा), वार्ता**  
 सोएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।  
 उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले बांग्लादेश में एक दलित हिंदू की निर्मम हत्या पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी मौन रही। उन्हें भय था कि बोलने पर उनका मुस्लिम वोट न खिसक जाए। उन्होंने कहा कि वोटबैंक के सौदागर बंगाल की डेमोग्राफी को बदलना चाहते हैं। सोनामुखी में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस को भावी पीढ़ी के साथ खिलवाड़

**कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस को भावी पीढ़ी के साथ खिलवाड़ करने की छूट न दी जाए: आदित्यनाथ**  
 दास जैसे कार्यकर्ताओं के घर उजाड़ दिए गए। सुशोभन का हाथ काट दिया। तृणमूल की गुंडागर्दी के ऐसे अनर्गल उदाहरण पर पड़े हैं। सोएम ने बंगालवासियों का आह्वान करते हुए कहा कि दिल्ली में मोदी हैं, पश्चिम बंगाल में भी आप भाजपा सरकार लाइए, डबल इंजन सरकार दंगाइयों का इलाज कर देगी। तृणमूल व वामपंथी गुंडों का उपचार केवल भाजपा सरकार के पास है। उन्होंने स्थानीय भाषा में संवाद स्थापित करने की छूट न दी जाए। ये लोग नवरात्र आयोजन में व्यवधान पैदा करते हैं, जिसे अब बंदरूत नहीं किया जाना चाहिए। हम सब मिलकर बंगाल का पुराना वैभव लौटा सकते हैं।  
 सोएम ने कहा कि मैं इसी आह्वान के साथ आपके बीच आया हूँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि तृणमूल के शासन में यहाँ बहुत तांडव हुआ है। हमारे कार्यकर्ता मुमन को गोली मार दी गई। स्वरूप घोष, पलाशा घोष, उत्पल

**स्वामी विवेकानंद की धरती है बंगाल**  
 उन्होंने कहा कि बंगाल ने स्वामी विवेकानंद जैसा संन्यासी दिया, जिन्होंने 'गर्व से कहां, मैं हिंदू हूँ' का भाव जगाया। बंगाल रामकृष्ण परमहंस व भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद की धरती है, लेकिन भारत की संस्कृति की आत्मा और राष्ट्रवाद की धरती बंगाल को तृणमूल कांग्रेस ने तुष्टिकरण, लूट-खसोट, अराजकता की धरती बनाकर रख दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अराजकता, अव्यवस्था, गुंडागर्दी आज पश्चिम बंगाल में है, 9 वर्ष पहले वही स्थिति उग्र में भी थी। वहां त्योहारों के पहले दंगे होते थे, महीनों कर्फूसू रहता था। गुंडे-माफिया समानांतर सत्ता संचालन करते थे। 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर उग्र में जनता-जनार्दन ने डबल इंजन सरकार बनाई तो आज यूपी ने तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण है।  
 करते हुए कहा कि अब बंगाल में 'खेला' बंद और भाजपा की जीत से विकास शुरू होगा। उन्होंने मंच से भाजपा प्रत्याशियों सोनामुखी से दिबाकर घरामी, ईंडास से निर्मल धारा व बरजोड़ा से बिलेश्वर सिन्हा को जिताने की अपील की। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी ने बंगाल की धरती पर राष्ट्रपान के रचयिता गुरुदेव रविंद्र नाथ टाकूर व राष्ट्रपति के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को भी याद किया। राष्ट्रपति वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर मैं विश्वास से कह रहा हूँ कि बंगाल परिवर्तन की नई राह पर चल पड़ा है।

# दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे का उद्घाटन 14 को

**शाह टाइम्स ब्यूरो**  
**सहारनपुर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डा. भीमराव आंबेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।  
 210 किलोमीटर लंबे और छह लेन वाले इस एक्सप्रेसवे के लोकार्पण को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कार्यक्रम का तैयारियां अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन भानु भास्कर, सहारनपुर मंडलायुक्त डा. रूपेश कुमार, जिलाधिकारी मनोप बंसल, एसएसपी अभिनंदन सिंह, एनएचएआई अध्यक्ष संतोष यादव, राज्यमंत्री जसवंत सेनी तथा भाजपा जनप्रतिनिधियों की निगरानी में पूरी की गई हैं। कार्यक्रम स्थल पर 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। यह एक्सप्रेसवे दिल्ली के अक्षरधाम से शुरू होकर पश्चिमी उग्र के बागपत, बड़ीत, मुजफ्फरनगर, शामली और



**पीएम मोदी साँपेंगे जनता को, तैयारियां पूरी**  
 सहारनपुर होते हुए उत्तराखंड की राजधानी देहरादून तक जाएगा। एक्सप्रेसवे का निर्माण चार चरणों में किया गया है जिसमें पहला चरण अक्षरधाम से बागपत के खेकड़ा तक 32 किमी का है जबकि दूसरा चरण बागपत से सहारनपुर के लाखनौर तक 32 किमी, तीसरा चरण लाखनौर से गणेशपुर-बिहारगढ़ तक 42 किमी और चौथा चरण गणेशपुर टोल से देहरादून तक 18 किमी लंबा है। अंतिम चरण में 12 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया गया है, जो राजा जी नेशनल पार्क से होकर मुजफ्फरनगर, शामली और गुजरगा।

# यूपी में अगले सात दिन शुष्क रहेगा मौसम, हवाएं चलेंगी

**शाह टाइम्स ब्यूरो**  
 लखनऊ। उग्र में गर्मी ने दस्तक दे दी है। शुष्क मौसम के बीच दिन और रात का तापमान बढ़ने से दोपहर में सड़कों पर भीड़भाड़ कम होने लगी है।  
 मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले सात दिनों तक मौसम सामान्यतरु शुष्क रहने की संभावना है। पश्चिमी और पूर्वी उग्र के अधिकांश हिस्सों में बारिश का आसार नहीं है। मौसम विभाग ने बताया कि 12 अप्रैल को पश्चिमी और पूर्वी उग्र में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चल सकती हैं। 13 और 14 अप्रैल को भी 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलने के आसार हैं। 15 अप्रैल से 18 अप्रैल तक पश्चिमी और पूर्वी उग्र दोनों क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। इस दौरान किसी

# महिला आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक बुलाई

**कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा लेटर नई दिल्ली, वार्ता**  
 कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सरकार से महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन के मुद्दे से जुड़े प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों पर चर्चा करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया।  
 उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष को भरोसे में लिए बिना संसद का स्पेशल सेशन बुलाया गया है और चेतावनी दी कि सही चर्चा के लिए जरूरी बातें अभी भी साफ नहीं हैं। यह तब हुआ जब संसद 16 अप्रैल से तीन दिन का स्पेशल सेशन शुरू करने वाली है, जिसका फोकस महिला आरक्षण संशोधन बिल पर होगा। पत्र में खड़गे ने लिखा कि मुझे



**हमें भरोसे में लिए बिना विशेष सत्र बुलाया: कांग्रेस**  
 अभी-अभी 16 अप्रैल से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा के लिए संसद के स्पेशल सेशन पर आपका लेटर मिला है। यह स्पेशल सेशन हमें भरोसे में लिए बिना बुलाया गया है और आपकी सरकार होने वाले डिजिटल सेशन पर कोई डिटेल्स बताए बिना फिर से हमारा सहयोग मांग रही है।

**सेंसेक्स 77550.25**  
**निफ्टी 24050.60**

**सोना 151700**  
 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

**अर्थव्यापार**  
**चांदी रु. 239685**  
 प्रति किलो

**काम कोर्स उदास क्यों?**  
 अधिक सतुष्टि, हैटब्रॉज पावर, शीघ्रप्रतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।  
 फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।  
**ऋषि इंटरनेशनल**  
 08899787114  
 09808917010

# आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

**मुंबई, वार्ता**  
 अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्ध विराम पर सहमति से धरेलु शेयर बाजारों बीते सप्ताह रही जबरदस्त तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों को नजर वृहत् आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी।  
 आने वाले सप्ताह में अमेरिका और ईरान के बीच स्पॉट शांति वार्ता की प्रगति बाजार को सबसे अधिक प्रभावित करेगी। साथ ही धरेलु स्तर पर खुदरा महंगाई, थोक महंगाई और आयात-निर्यात के आंकड़े भी जारी होने हैं जिनका बाजार पर बड़ा प्रभाव देखा जाएगा। निवेशकों की नजर कंपनियों के तिमाही परिणामों पर भी रहेगी। गत सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 4.230.70 अंक (5.77 प्रतिशत) की साप्ताहिक बढ़त में एक महीने के उच्चतम स्तर 77,550.25 अंक पर बंद हुआ। बाजार में गुरुवार को छोड़कर सभी चार दिन लिवाली का जोर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक सप्ताह के दौरान 1,337.50 अंक यानी 5.89 फीसदी चढ़कर 24,050.60 अंक पर बंद हुआ। यह इसका भी एक महीने का उच्चतम स्तर है। महौली और छोटी कंपनियों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 7.74 प्रतिशत और

# चावल, गेहूं में साप्ताहिक गिरावट चीनी मजबूत, दालों में रही घट-बढ़

**नई दिल्ली, वार्ता**  
 धरेलु थोक जिस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गए। गेहूं में भी नरमी रही। चीनी में मजबूती देखी गई जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा।  
 सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 67 रुपये टूटकर सप्ताहांत पर 3,759 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं 14 रुपये गिरकर 2,770 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा 15 रुपये महंगा हुआ औसत भाव सात रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 28 रुपये और मूंग दाल की सात रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मसूर दाल 43 रुपये सस्ती हुई। तम्बर दाल और चना दाल की

**श्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है**  
 आज ही इलाज करा लेना खीड़ हुई मरणा ताकत दोगा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।  
 काजीजादा, अनरोहा-UP  
**हाशमी दवाखाना**  
 9997161320, 8272800800  
**Cipzer**  
 HEALTH WITH CARE  
**जॉइंटिस क्यापर**  
 लिफर का जिगरी दोस्त  
 मूख की कमी, बढ़ती हुई पीरियड, फेटी तौल, एलर्जीकल रिएक्शन, डीप्रेशन आदि से रकने की ताकत देता है ताकि आप रॉ फिट एण्ड एक्टिव प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।  
 86 8484 5757 info@cipzer.com

# अयोध्या में कारसेवकों पर गोली किसने चलवाई थी

**अखिलेश के आरोपों पर नृपेंद्र मिश्रा का आरोप**  
**अयोध्या।** राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष व श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य नृपेंद्र मिश्रा ने अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलाने वाले आरोपों पर जवाब दे दिया है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव इस मामले को लेकर नृपेंद्र मिश्रा पर आरोप लगाते हैं। अब हाल ही में फिर इस मामले पर विवाद छिड़ गया है, जिससे सूबे की सियासत गरमा गई है।  
 अखिलेश यादव लगातार नृपेंद्र मिश्रा पर गोली चलवाने के आरोप लगाते रहे हैं। एक प्रेस वार्ता में नृपेंद्र मिश्रा ने सवाल किया कि अखिलेश यादव ने 1990 में अयोध्या में कारसेवकों पर गोलीबारी पर आप पर सवाल उठाया है। उस समय आप प्रमुख

# आशा भोंसले ने संगीत के एक युग को परिभाषित किया: मुर्मू

**राष्ट्रपति ने निधन पर जताया शोक, दी श्रद्धांजलि**  
**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति दीपदी मुर्मू ने स्वर कोकिला आशा भोंसले के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्होंने देश में संगीत के एक युग को परिभाषित किया है और उनका गायन श्रम रहेगा।  
 श्रीमती मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आशा भोंसले के निधन ने संगीत की दुनिया में एक खालीपन छोड़ दिया है। एक महान गायिका के तौर पर उन्होंने भारत में संगीत के एक पूरे दौर को परिभाषित किया है। उनके साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत करने की मेरी बहुत प्यारी यादें हैं। उन्होंने कहा, एक कलाकार और एक इंसान के तौर पर उन्होंने अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जी। उन्होंने अपनी सुरीली और सदाबहार आवाज से दशकों तक भारतीय संगीत को



समृद्ध किया। उनका गायन हमेशा अमर रहेगा। उनका ज्ञान संगीत प्रेमियों के लिए एक ऐसी शक्ति है जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। मैं उनके परिवार और उनके अनगिनत चाहने वालों के प्रति अपनी गहरी संवेदन व्यक्त करती हूँ। उल्लेखनीय है कि पद्मश्री और दादासाहेब फालके पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती भोंसले का 92 साल की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। उन्हें सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद ब्रिच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

# बदलाव को विज्ञान-तकनीक जरूरी

**जनजातीय जीवन सम्मेलन में बोल उपराष्ट्रपति**  
**नई दिल्ली, वार्ता**  
 उपराष्ट्रपति सोपी राधाकृष्णन ने जनजातीय जीवन में बदलाव के लिए विज्ञान और तकनीक को जरूरी बताया है। श्री राधाकृष्णन ने रविवार को यहां भारत मंडप में आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी उपायों के माध्यम से जनजातीय जीवन में परिवर्तन विषयक सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि आधुनिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।  
 सम्मेलन का आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने नेक्टर और आईटीआईआईटी संस्कृति स्कूल के सहयोग से किया गया। श्री राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में कहा कि जनजातीय समुदाय भारत की संस्कृति, परंपरा और जैव



विविधता के सच्चे संरक्षक हैं। देश में लगभग 1.4 लाख जनजातीय गांव हैं, जहां करीब नौ प्रतिशत आबादी निवास करती है। इन समुदायों के पास पारंपरिक ज्ञान का समृद्ध भंडार है, जो प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग में सहायक है। श्री राधाकृष्णन ने कहा कि जब आधुनिक विज्ञान और तकनीक, भाषा, आस्था और संस्कृति के साथ समन्वय में काम करते हैं, तो यह सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनता है। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में हरित आर्थिक

विकास की अपार संभावनाओं पर भी जोर दिया।  
 उन्होंने स्पष्ट किया कि विज्ञान और तकनीक के माध्यम से जनजातीय जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाते हुए उनकी संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण भी संभव है। श्री राधाकृष्णन ने 2047 में विकसित भारत की परिकल्पना का जिक्र करते हुए कहा कि इसका मूल मंत्र 'विकास भी, विरासत भी' है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक मूल्यों को संरक्षित रखते हुए आधुनिक विकास को आगे बढ़ाना ही देश की प्राथमिकता है। उन्होंने जनजातीय उत्थान के लिए सरकार की विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री जनजातीय उत्थान कार्यक्रम के तहत हजारों किलोमीटर सड़क और सैकड़ों पुलों को मंजूरी दी गई है।













# एक करोड़ 80 लाख रुपये की 3 कारें बरामद

बुढ़ाना स्थानीय पुलिस ने बुढ़ाना कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक सुभाष बाबू अजी के नेतृत्व में एक बड़े लखड़ी कार चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो शाहीत आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 1.80 करोड़ रुपये मूल्य की तीन फॉर्च्यूनर कारें बरामद की हैं। पुलिस के मुताबिक यह गिरोह चोरी किए गए और फाइनेंस पर चल रहे बाहनों को निशाना बनाता था। आरोपी इन गाड़ियों के इंजन और चेंसिस नंबर बदलकर फजलदस्तावेज तैयार करते थे फिर उन्हें ऊंचे दामों पर बेच देते थे। बुढ़ाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बुढ़ाना कोतवाली में एक खडहर में चोरी की लखड़ी गाड़ियां बेचने के लिए खड़ी हैं। इस सूचना पर त्वरित

कारबाही करते हुए पुलिस टीम ने मोके पर छापा मारा और दो आरो. पियों को पर दबाया. गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान आदिल निवासी कुलगाम करमौर और मनीष निवासी गाजियाबाद मेरठ के रूप में हुई है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। बरामद की गई तीन फॉर्च्यूनर कारें दिल्ली के विभिन्न थाना क्षेत्रों से चोरी की गई थीं। आरोपी इन वाहनों के नंबर प्लेट और दस्तावेजों में हेरफेर कर उन्हें बेचने की फिराक में थे। पड़ोसाछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि गिरोह के सदस्य अलग-अलग पुलिसकों का काम करते थे। कुछ सदस्य वाहन चोरी करते थे, जबकि अन्य उनके नंबर और दस्तावेज बदलकर ग्राहकों को बेचते थे। अवैध कामाई को



सभी सदस्य आपस में बांट लेते थे। इस सरासरीय कार्य के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बुढ़ाना पुलिस टीम को 15 हजार रुपये के

# मुठभेड़ में दो घायल, तीन गिरफ्तार



शाहपुर पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ में 02 शाहीत चोर के घायल होने सहित 03 चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की गयी सैंडो कार तथा अथैव शस्त्र किताब गिफ्तार। शाहपुर पुलिस टीम के साथ वाहन चोरी के दौरान कार सवार बदमाशों के मुठभेड़ में दो शाहीत चोर के घायल होने समेत कुल तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से चोरी की सैंडो कार और अथैव शस्त्र बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार 11 अप्रैल को वारी शाहबेख खान पुत्र जाहिर खान निवासी राम बसोकास द्वारा भाना शाहपुर पुलिस को लिखित तहरीर देकर अवकाश कागदा गया कि अज्ञात चोरों द्वारा घर का ताला तोड़कर सैंडो कार यूपी-11यू 2520 को चोरी करने की घटना को अंजाम दिया गया है। वारी द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर शाहपुर पुलिस द्वारा सूसगत घराओं में अभियोग पंजीकृत करत हुए घटना के शोष एवं सफल अनावरण हेतु टीम गठित की गई। 11 ब.12. अखिल को मण्यगति को भाना शाहपुर पुलिस टीम द्वारा समेत पुलिस पर चेंकिंग की जा रही थी। इसी दौरान धमनव की तरफ से 01 कार के चेंकिंग हेतु रुकने का इशारा किया गया तो कार सवार नहीं रुके तथा कार को फोर्च्यूर को तरफ कब्जे में लूट कर फोर्च्यूर को चोरी करने लगे। पुलिस टीम द्वारा कार का पीछा किया गया तो कुछ दूरी पर जाकर उबड़ कारक होत गति जते के कारण रास्ते से नीचे उतरकर चले गये। जिस पर 03 अखिल कार से उतरकर पुलिस टीम पर फायरिंग करती हुए जात की तरफ भागे गये। पुलिस टीम द्वारा आलमशाह सुधन जवाबी फायरिंग की गयी जिसमें 02 बदमाश तालिय पुत्र मुसफा व नाजिम युवा बाबू अली घायल हो गये। दोनों बदमाश मेरठ जेलर के सशस्त्र युवा क्षेत्र के ग्राम हरा के निवासी हैं। पुलिस टीम ने अपरे का फायरा उठाकर शाहपुर तीसरे बदमाश ग्राम हरा के की निवासी पोली उर्फ बुरे पुत्र इमरान उर्फ नानू को मौके से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की गयी 01 सैंडो कार यूपी-11यू 2520 व 03 तमचे 05 3 बंजिंग व 02 खोड्डा कारतूस 31.5 चोर गिफ्तार किए गए। दोनों घायल व बरामदाओं को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस के अनुसार, दोनों घायल बदमाशों का पहलें भी आराधिका इतिहास है।

# दिगम्बर जैन मिलन विहार की रथ यात्रा निकाली

मुजफ्फरनगर। श्री दिगम्बर जैन मंदिर जैन मिलन विहार की धरतीया महोत्सव धूमधाम से निकाली गयी। सर्वप्रथम मुनीन्द्र कुमार जैन द्वारा ध्वजारोहण आचार्य श्री भारत प्रणय महाराज जी के साध्विन में किया गया। समासरो में सडीओ कर्मका किराण करंकर, नवनियुक्त एसपी सिटी अतुल जैन व मुख्य अतिथि निवार जैन मिलन मशीनी उपस्थित रहे। फवनाय भगवान के चित्र अनावरण नरेश जैन व दीप प्रज्वलन संजय जैन (आयकर अधिकारी) द्वारा किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत प्रमोद जैन, उर्वश जैन, संजय जैन व मुख्य

संयोजक मनोज कुमार जैन, वार्ड. के. जैन द्वारा किया गया। आचार्य भारत प्रणय जी महाराज का प्रा.प्रवचन गोंदर जैन एडवोकेट व शास्त्र भेद पराग जैन द्वारा किया गया। आचार्य श्री ने अपने मौल संशान में रथयात्रा का महाल बताया कि प्रसूत समय में जैन प्रवचन देते-दूते रहते थे तो भगवान जी को प्रवचन प्रकलित हो ताकि सभी को भगवान जी के दर्शन प्राप्त हो सकें। महाराज जी ने सभी को अपना आशीर्वाद दिया और कक्षा को भी धर्म का मार्ग पर लवो व्यक्ति धर्म से ही सुमारा कल्याण होगा और रथयात्रा महोत्सव को शुभ कामनाएं दी। बच्चों द्वारा मनोहर सांस्कृतिक

प्रस्तुति की गई। बोली लकी इ। कुपन द्राग निक. लती गई जिसमें छासरी की बोली संजय जैन (आयकर अधिकारी), सारी की बोली - पंकज उर्व जैन एडवोकेट, बापू इंद. - मनिज जैन, दाए इंद. - देवाधर जैन, आकारा जैन जैन, कुबेर - संजय जैन (जैन मंदिर)। निवासोणी माता को लेके चलने का सीधाय प्रथम जैन - राजकुमार जैन, द्वितीया बग्गी - अर्चित जैन, तृतीया बग्गी - नीलम जैन (भाषा बाले) को प्राण हुआ। रथयात्रा के आगे भजन मंडलों में जैन समाज के स्वी पुरुष नृत्य करते हुए चल रहे थे। रथयात्रा जैन मिलन मंदिर से प्राथ होकर जानसठ रोड एचडीएफसी बैंक के आगे से लक्ष्मण विहार होते हुए वासप जैन मंदिर जैन मिलन विहार पहुंचे जहां पर श्री जी को अभिषेक संपूर्ण होने के पश्चात भगवान जी को विरामस्थल किया गया। रथयात्रा को प्रफल बनाने में अतुल जैन, अजय जैन, पुनित जैन, सुप्रमोद जैन, हर्ष जैन, राजेश जैन, प्रमोद जैन, चंकिज जैन, राजकुमार जैन, परम जैन, विजेज जैन, प्रवीण जैन राजकुमार, सविन जैन, परगम जैन, मदन जैन, अशाक जैन, नरेश जैन एडवोकेट, राजेश जैन, देशराजु जैन, नरेश जैन, राजेश जैन (लाल पैथोलॉजी) राजेश जैन कौर्ति मंडिकल, सुरेश जैन पुरवावियाण आदि का विशेष सहयोग रहा।



मुजफ्फरनगर, रथ यात्रा निकालते जैन श्रद्धालु।

# नाबालिग किशोरी की अश्लील वीडियो बनाने वाला अरेस्ट

बुढ़ाना। स्थानीय पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को अरेस्ट करने में सफलता प्राप्त की है जिसने पहले एक नाबालिग किशोरी को बहलया फुल्लारा और फिर उसकी एक डेकडू बना में लं जाकर उसके साथ छेड़छाड़ करते हुए अश्लील हरकतें कर उसकी अश्लील वीडियो बनाकर बाजार करने की धमकी दी थी। बुढ़ाना पुलिस ने अब आरोपी को गंभीर अपराओं में जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार बुढ़ाना कोतवाली की बाबयला पुलिस

चौकी क्षेत्र के एक गांव के निवासी ने बुढ़ाना पुलिस को विगत दिवस एक वरिटी देते हुए बताया कि शहरबाद उपम गोंगरी पुत्र शरीदर खान निवासी ग्राम नगवा ने उसकी लताभा 14 वर्षीया नाबालिग भोजी को बहलाय फुल्लारा उसकी अमित डीलर के मकान में बनी हुई नगरी की दुकान में ले जाकर दुकान का दरवाजा बन्द कर छेड़छाड़ कर गलत तरीके से अश्लील हरकत कर डेकडू को अपने कान में बनाई गयी वीडियो को सभी को दिखाने की धमकी दी

थी। तभी बुढ़ाना सर्फिल को पुलिस क्षेत्राधिकारी गुजेंद्र पाल सिंह ने उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी गोंगरी की तलाश में एक टीम गठित करकर गोंगरी को किसी खास मुखबिर को सटीक सूचना पर बाबयला पुलिस चौकी के प्रभारी रणवीर सिंह ने संबकार के दिन बुढ़ाना कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक सुभाष बाबू अजी के नेतृत्व में कॉन्स्टेबल अजय कुमार की भागवरीद के चलते पुलिस चौकी के पास से अरेस्ट कर जेल भेज दिया है।

भगवान परशुराम जी के अभिषेक के बाद निकली भव्य ध्वज यात्रा श्री मनकामनेश्वर मंदिर में हुआ हवन-यज्ञ का आयोजन



शाह टाइम्स संबंदाता मुजफ्फरनगर। भारतिया कालीनी रमित श्री मनकामनेश्वर मंदिर में हुआ भगवान परशुराम जी का अभिषेक किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में आयोजित हवन-यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड उमड़ती। प्रसाद वितरण के बाद ध्वज यात्रा का आयोजन किया गया, जो मंदिर परिसर से प्रारम्भ होकर शिव चौक पर पहुंची, जहां पर यात्रा का समापन हुआ। इससे पूर्व श्री मनकामनेश्वर मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं की भारी भीड को सम्बोधित करते हुए दिव्य ध्यान योग आश्रम के स्वामी श्रीभगवान आश्रम जी महाराज ने समस्त श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि भगवान परशुराम जी सर्वसमाज के भगवान हैं और उनकी ध्वज यात्रा में इतनी भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड देखकर कागुरुओं की सफलता का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल श्री मनकामनेश्वर मंदिर से भगवान परशुराम जी का रथ प्रारम्भ होगा, जिसका बाद राजन हाल से पथव शोभा यात्रा प्रारम्भ होगी, जो मारवेली चौक, आंसारी रोड, नाकल्ले चौक, आंसारी रोड, भात सिंह रोड, शिव चौक, झांसी की रानी में रोडे होते हुए सरत बाजार के समेत टउनहाल पर आकर समापन होगा। स्वामी

# एक नजर

## हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं ने की पूजा अर्चना

बुढ़ाना। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल इकाई बुढ़ाना के नगर अध्यक्ष संजीव कुमार सैल के मार्गदर्शन में रविवार सुबह 05 बजे बुढ़ाना से एक डीलक्स बस सिविलली हनुमान जी मंदिर के दर्शन के लिए रवाना हुई। बस को पावनवीथ अर्च से श्रद्धालुओं की जयकारों के साथ रवाना किया गया। श्रद्धालुओं की धूम धुंन् से रथ भी श्रद्धालुओं ने सससे चढ़ाया गया। पंडित जी ने सभी भक्तों को लिखक लगाया और हाथ में कलशा बांधा। श्रद्धालुओं ने चरित्रा अतिरत कर मंदिर की सुध-समृद्धि की कामना की। दर्शन के पश्चात मंदिर परिसर में आयोजित प्रदंडार में सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। यात्रा के दौरान पूरे रास्ते भक्त धामों और हुनमारा चालीसा के गूद में लीने रहे। नगर अध्यक्ष संजीव कुमार सैल ने सभाया कि इस तरह की धार्मिक यात्राओं से आस्था पाई जाती है और भक्तों को एक ही भावना मिलती है। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल समय-समय पर सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में अा आयोजन करता होगा। इस यात्रा यात्रा में एरुल एडवोकेट, अनुगम संजय, अमित गम, गौरी गंगत, सुरेश कुमार, बबलेश, हरिशरण, सुरेशी शर्मा, अमरीता शर्मा, सुशील शर्मा, विनोद प्रमथ, अमर्य भक्तिक और बदाता मलिक सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं श्रद्धालु शामिल हुए। सभी भी चोरी की सफल बनाने के लिए संजीव कुमार सैल का आभार जताया। यात्रा को सशकृत बुढ़ाना लीडने पर सभी श्रद्धालुओं ने अगले माह भी इसी तरह की धार्मिक यात्रा आयोजित करने की इच्छा जताई।

## पुलिस की सूत्री, नशा तस्करो की कर रही बल्ले बल्ले

परवाल। नशा तस्करो को सडक करने पर बडे बदतवय देखने का मिले है वही कुछ समथारा अब भी उन्को की खुडी है। इस जहां पचा कथ आम आदमी द्वारा अनेको वक्त असम अलग विभागों पर भडवाकर के आपर गणया जाते है वही कुछ समथारो से आम जनता अब भी जुड रहे है और आम आदमी को इन समथारो से अब भी निजान मिलती नही दिख रही है और यह समथारा अब भी आम आदमी को परेशानी बनती नजर आ रही है, परेशा ने जहां आम जनता से तहत अनेको नशा तस्करो पर शकू कानूनी कारवाही की गयी है वही परवाल सेना के आरपनय सेना के तहत किसी भी नशा तस्करो के खिलाफ कानूनी कारवाही नही की गयी अथि परवाल सेना क्षेत्र में नरो के संसरोर को नशा को रशरी नही परवलकर वशा ये या तो रशरी का कारोबार नही लाया या फिर पुलिस द्वारा नशा तस्करो के खिलाफ कारवाही करने से कोई सच नही है कारण संचे कुछ भी हो बिजनेस के कब्जे से चोरी की गयी 01 सैंडो कार यूपी-11यू 2520 व 03 तमचे 05 3 बंजिंग व 02 खोड्डा कारतूस 31.5 चोर गिफ्तार किए गए। दोनों घायल व बरामदाओं को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस के अनुसार, दोनों घायल बदमाशों का पहलें भी आराधिका इतिहास है।

## किसान नेता को पुलिस ने किया धर पर ही नजरबंद



मुजफ्फरनगर। किसान राजनीति से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। चौधरी साह आशम को प्रशासन द्वारा अंधा विहात स्थित उनको प्रशासन पर हाड अरेस्ट कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि वह कार्याई खालापा धना पुलिस दारा की गई है, जिसके बाद क्षेत्र में हलचल शुरू हो गई। प्रशास अरेस्ट की सूचना मिलते ही किसान समर्थकों ने नाराजगी दर्शाई जा रही है। स्वयंसेवा का नहरना है कि यह घटना किसानों और मजदूरों की आवाज को खतरे का प्रसास है। इस मामले को लेकर किसान नेताओं ने स्पष्ट कहा है कि गिरफ्तारियों से आंदोलन कमजोर नहीं होगा, बलिक और मजबूत होगा। चौधरी साह आशम ने भी संदेश दिया कि किसान और मजदूर अपने हक को लड़ाई जारी रखेंगे। किफायत प्रशासन स्थिति पर नजर बनाते हुए है और हलाके में सुखा बढा दी गई है।

# 13 अप्रैल की जनसभा को लेकर गांव-गांव में माहौल गर्म

शाह टाइम्स संबंदाता खतौली। विधानसभा क्षेत्र खतौली में इन दिनों जनसभा अभियान पर जोर-जोर से सांघ के साथ चल रहा है। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचकर कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने लोगों से सीधा संबंदा स्थापित किया, उनको समस्याओं को गंभीरता से सुना और शीघ्र समाधान का पथोसा दिलाया। अभियान के दौरान छावती पर 13 अप्रैल को प्रस्तावित भव्य जनसभा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि इस महत्वपूर्ण जनसभा में प्रवेश के मुहूर्तमी योगी अद्विनाथ और कंदीय मंत्री चौधरी जगत सिंह शिरकत करेंगे,

जिससे यह आवाजें और भी खास बन जात है। कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव जाकर लोगों से अवगत की कि ये अभिषेक से अधिक संख्या में पहुंचकर जनसभा को ऐतिहासिक बनाएं, जनसभा के दौरान विकास कार्यों के प्रस्ताव, क्षेत्रीय समस्याओं और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीणों ने भी खुलकर अपनी बात रखी, जिनमें सड़क, बिजली, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएँ प्रमुख थीं। प्रतिनिधियों ने इन सूझों पर त्वरित कार्रवाई का प्रभोसा दिलाया। अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह जनसभा क्षेत्र के विकास को नई



दिरास देने के साथ-साथ जनता और जनप्रतिनिधियों के बीच संबंदा को मजबूत करेंगे। जनसंघर्ष के दौरान ग्रामीणों में जिस तरह का

# नवोदय परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक हासिल कर जिला किया टॉप

नन्हें प्रतिभाशाली देव ने रचा इतिहास

मुजफ्फरनगर। कहते हैं कि मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से कोई भी मौजिल दूर नहीं होती यह बात बचरा के नन्हें होनहार छात्र देव ने जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 95 प्रतिशत अंक हासिल कर सही कर दिखाई। दरअसल बचपन निवासी डा. रवि कुमार के पुत्र देव ने जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 95 प्रतिशत अंक हासिल कर सही जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के साथ ही देव ने कबल अपने विद्यालय लिखते अपने परिवार और क्षेत्र का नाम भी सर्व से उजा कर दिया है। देव वर्तमान में बचरा के सन



साइन पब्लिक स्कूल में कक्षा पांच का छात्र है। अपनी इस शानदार उपलब्धि पर देव ने विमना दिखाते हुए अपने समस्तता का श्रेय अपने गुरुजनों और माता-पिता का दिया। वहाँ, सन साइन पब्लिक स्कूल के प्रबंधक सुरेशील सेनी ने देव को बधाई देते हुए बताया कि देव शुरू से ही एक मेधावी और अनुशील छात्र रहे। वह पहली कक्षा से ही हर गतिविधि में आगे रहा है और लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करता आ रहा है। नन्हें देव को यह सफलता अपने बचपनों के लिए प्रेरणा प्रदान करने सामने आई है, जो वह संसर्ग देती है कि काली सारा और पेशेवार से हर सपना साकार किया जा सकता है।



## अभी शांति दूर

शनिवार को पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में 21 घंटे चली ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष विराम को लेकर दोनों देशों प्रतिनिधिमंडलों की बैठक बेनतीजा समाप्त हुई। निश्चित रूप से यह दुनिया के लिए कोई अच्छी खबर नहीं है, क्योंकि दोनों देशों के बीच चला संघर्ष पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी शर्तों को लेकर अड़े रहे। कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं था। रविवार को अमेरिका को उप राष्ट्रपति जेडी वेन्स ने कहा भी कि वह बहुत उम्मीद लेकर इस्लामाबाद गए थे, लेकिन ईरानी प्रतिनिधिमंडल अपनी जिद पर अड़ा था। वह न्यूक्लियर पर जरा भी पीछे हटने को तैयार नहीं है, जबकि अमेरिका का नजरिया बिल्कुल साफ है कि वह किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु संपन्न देश नहीं बनने देगा। होर्मुज्ज की बातचीत के फेल होने का बड़ा कारण बना। ईरान उस पर अपना दावा छोड़ने को तैयार नहीं है, जबकि अमेरिका चाहता है कि होर्मुज्ज को अंतर्राष्ट्रीय नियमों के अनुसार पूरी तरह खुला छोड़ना चाहिए। यूं तो दोनों ही तरफ से अपनी-अपनी शर्तें थीं, जहां ईरान ने अपनी दस मांगों का एजेंडा सामने रखा, तो वहीं अमेरिका ने भी अपनी 15 मांगों ईरान के सामने रखीं, उनमें कुछ मांगें ऐसी हैं जो वास्तव में दोनों पक्षों के लिए स्वीकार करना बेहद कठिन है, क्योंकि ईरान जहां होर्मुज्ज पर अपने कंट्रोल, अपने मिसाइल प्रोग्राम और उसकी प्रॉक्सी की सहायता से जरा भी पीछे हटने को तैयार नहीं है, तो वहीं अमेरिका की यह पहली शर्त है। ईरानी डेलिगेशन ने वार्ता के बाद कहा कि इस बैठक में सबसे बड़ी कमी भरोसे की दिखाई दी। वह अमेरिका पर भरोसा करने के लिए तैयार नहीं है। ईरान के लोकसभा स्पीकर गालिबाफ व विदेश मंत्री अब्बास अरगचि ने कहा भी कि अमेरिका को उनसे बातचीत में वह चाहता है, जो युद्ध में हासिल नहीं कर सका और इस समय सबसे बड़ी समस्या भरोसे की है। अमेरिका का अब तक जिस तरह का आचरण रहा है, उस पर भरोसा किया भी नहीं जा सकता। ईरान की बात गलत भी नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति जेडी वेन्स जिनके नेतृत्व में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल आया था, जिसमें स्टीव विटकोफ व जेरेड कुशलर जैसे नाम शामिल थे, कहा है कि हम ईरान का किसी भी कीमत पर होर्मुज्ज पर कंट्रोल नहीं होने देंगे और न ही परमाणु बम बनाने देंगे और ट्रम्प की नीति को ही आगे बढ़ाएंगे। इससे साफ है कि दोनों पक्ष अपने अडियल दृष्टिकोण पर खड़े हैं। ऐसे में यह साफ हो जाता है कि किसी भी पक्ष को एक-दूसरे पर भरोसा नहीं है और कोई भी समझ सकता है कि किसी भी नतीजे पर पहुंचने के लिए भरोसा सबसे पहली चीज है। वार्ता के बाद जिस तरह की भाषा अमेरिकी राष्ट्रपति बोल रहे हैं और ईरान को धमका रहे हैं और होर्मुज्ज को बलपूर्वक खोलने की बात कर रहे हैं, उससे भी साफ है कि शांति का समय जल्द ही लौटने नहीं जा रहा है।

## कानून पर सार्थक चर्चा संभव नहीं

नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 कानून सितम्बर 2023 में संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित हुआ था और उस समय कांग्रेस ने इसे तुरंत लागू करने की मांग की थी, सरकार ने तब इसे लागू नहीं किया, जबकि अब 30 महीने बाद बिना विपक्ष को विश्वास में लिए विशेष सत्र बुला रही है। परिसीमन से जुड़ी कोई स्पष्ट जानकारी साझा नहीं की गई है, जिससे इस महत्वपूर्ण कानून पर सार्थक चर्चा संभव नहीं हो पाएगी, सरकार का यह दावा गलत है कि राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर संवाद हुआ है, विपक्ष लगातार 29 अप्रैल 2026 के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर रहा है, चल रहे विधानसभा चुनावों की बीच विशेष सत्र बुलाना सरकार की राजनीतिक मंशा को दर्शाता है और यह कदम महिलाओं को सशक्त बनाने के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए उठाया गया प्रतीत होता है।

-मल्लिकार्जुन खड्गे, कांग्रेस अध्यक्ष

आशा भोसले भारतीय संगीत जगत की वह अद्वितीय स्वर सम्राज्ञी हैं, जिनकी आवाज ने लगभग सात दशकों तक श्रोताओं के दिलों पर राज किया है। उनका जीवन केवल एक सफल गायिका की कहानी नहीं है, बल्कि संघर्ष, साहस, आत्मविश्वास और निरंतर परिश्रम की ऐसी मिसाल है, जो हर पीढ़ी को प्रेरित करती है। आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक और रंगमंच कलाकार थे। घर का वातावरण पूरी तरह संगीत से भरा हुआ था, इसलिए आशा जी को बचपन से ही संगीत की शिक्षा और संस्कार मिले। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर पहले से ही संगीत की दुनिया में अपनी पहचान बना चुकी थीं और आगे चलकर वह भारत की सबसे महान गायिकाओं में गिनी जाने लगीं।

आशा भोसले का बचपन सामान्य नहीं था। जब वह केवल नौ वर्ष की थीं, तभी उनके पिता का निधन हो गया। यह घटना उनके जीवन में एक बड़ा झटका थी। पिता के जाने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर हो गई। परिवार को संभालने की जिम्मेदारी अचानक आशा और लता का आ गई। इतनी कम उम्र में ही उन्होंने जीवन की कठिनाइयों का सामना करना शुरू कर दिया। उन्होंने फिल्मों में छोटे-मोटे रोल करना और गाना शुरू किया, ताकि परिवार का भरण-पोषण हो सके। यह उनके संघर्षपूर्ण जीवन की शुरुआत थी, जिसने उन्हें भीतर से मजबूत बनाया। आशा भोसले ने अपने करियर की शुरुआत बहुत छोटी उम्र में की थी। उन्होंने पहली बार मराठी फिल्म के लिए गाना गाया और फिर धीरे-धीरे हिंदी फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया, लेकिन शुरुआती दौर उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। उस समय संगीत जगत में गीता दत्त, शमशाद बेगम और उनकी अपनी बहन लता मंगेशकर जैसी स्थापित गायिकाओं का वर्चस्व था। ऐसे में आशा जी को मुख्यधारा के बड़े गीत नहीं मिलते थे। उन्हें बी-ग्रेड फिल्मों और कम बजट की फिल्मों में गाने का मौका मिलता था, लेकिन उन्होंने कभी भी इन परिस्थितियों से निराश होकर हार नहीं मानी। उन्होंने हर छोटे अवसर को अपनी प्रतिभा दिखाने का माध्यम बनाया।

उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात प्रसिद्ध संगीतकार ओपी नैयर से हुई। ओ.पी. नैयर ने आशा भोसले की आवाज को अलग पहचान को पहचाना और उन्हें ऐसे गीत दिए, जिन्होंने उनकी छवि को पूरी तरह

# Versatile singing के लिए हमेशा याद रहेंगी

## आशा भोसले



बदल दिया। नया दौर, हावड़ा ब्रिज, कश्मीर की कली जैसी फिल्मों के गीतों ने आशा भोसले को लोकप्रियता के शिखर तक पहुंचा दिया। उनकी आवाज में जो चंचलता, मस्ती और ऊर्जा थी, वह उस दौर के संगीत में एक नई ताजगी लेकर आई। इस दौर में उन्होंने यह साबित कर दिया कि वह केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र और सशक्त पहचान वाली गायिका हैं।

आशा भोसले की गायकी को सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा रही है। उन्होंने हर प्रकार के गीतों में अपनी अलग छाप छोड़ी है। चाहे वह रोमांटिक गीत हों, गजल हों, भजन हों, लोकगीत हों या फिर पाश्चात्य शैली के कैंबरे गीत, हर शैली में उन्होंने अपनी आवाज का जादू बिखेरा। उन्होंने पिया तू अब तो आजा, दम मारो दम, इन आंखों की मस्ती के जैसे गीतों के माध्यम से अपनी गायकी की विविधता को साबित किया।

उनके करियर का एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ा आरडी बर्मन के साथ। आरडी बर्मन, जिन्हें 'प्यार से पंचम दा' कहा जाता था, ने आशा भोसले के साथ मिलकर संगीत को एक नई दिशा दी। दोनों की जोड़ी ने कई सुपरहिट गीत दिए, जो आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। बाद में दोनों ने विवाह कर लिया और उनका रिश्ता केवल पेशेवर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी गहरा हो गया। आरडी बर्मन के साथ काम करते हुए आशा भोसले ने आधुनिक संगीत, पॉप और फ्यूजन में भी अपने प्रयोग किए, जिससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ी।

आशा भोसले का निजी जीवन भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा। उन्होंने बहुत कम उम्र में गणपतराओ भोसले से विवाह कर लिया था, लेकिन यह विवाह सफल नहीं रहा। उन्हें इस रिश्ते में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और अंततः उन्हें अलग होना पड़ा। इसके बाद उन्होंने अपने बच्चों की परवरिश अकेले की और अपने करियर को भी आगे बढ़ाया। यह उनके साहस और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

आशा भोसले ने केवल भारत में ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने कई देशों में लाइव कॉन्सर्ट किए और अपनी आवाज का जादू बिखेरा। उन्होंने पश्चिमी संगीत के साथ भी प्रयोग किए और अपनी शैली को समय के साथ बदलते हुए उसे और भी समृद्ध बनाया। यही कारण है कि वह आज भी नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सफलता का रास्ता कभी आसान नहीं होता। इसमें कई कठिनाइयां, असफलताएं और चुनौतियां आती हैं, लेकिन जो व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहता है, वह अंततः सफलता प्राप्त करता है। आशा भोसले ने अपने जीवन में हर कठिनाई का सामना किया और कभी हार नहीं मानी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि अगर ईमान में आत्मविश्वास और मेहनत करने का जन्म हो, तो वह किसी भी मुकाम को हासिल कर सकता है। आशा भोसले का जीवन एक प्रेरणादायक गाथा है। उन्होंने अपने संघर्ष, मेहनत और प्रतिभा के बल पर जो मुकाम हासिल

किया, वह बहुत कम लोगों को नसीब होता है। उनकी आवाज आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

## जीवन की उपलब्धियां

आशा भोसले ने अपने करियर में हजारों गीत गाए हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा मराठी, बंगाली, गुजराती, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कई विदेशी भाषाओं में भी गाने गाए हैं। उनकी आवाज की मधुरता और लचीलेपन ने उन्हें हर भाषा में लोकप्रिय बना दिया। उन्होंने लगभग 20,000 से अधिक गीतों को अपनी आवाज दी, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उनकी उपलब्धियों की बात करें तो उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कई बार फिल्मफेयर अवॉर्ड जीते और एक समय के बाद उन्होंने नए गायकों को मौका देने के लिए अपना नाम इस प्रतियोगिता से वापस ले लिया। उन्हें 'नेशनल फिल्म अवार्ड फॉर बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर' से भी सम्मानित किया गया, जो भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट गायन के लिए दिया जाता है। इसके अलावा भारत सरकार ने उन्हें 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया, जो देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। यह सम्मान उनके संगीत में योगदान की सर्वोच्च मान्यता है। आशा भोसले को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड से भी नवाजा गया।

# तमिलनाडु विस चुनाव : नए युग का आगाज !



ओ.पी. जाल

तमिलनाडु की राजनीति को समझने के लिए अक्सर वहां की रैलियों का शोर और सिनेमाई सितारों का कट-आउट काफी माना जाता रहा है, लेकिन 23 अप्रैल 2026 को विधानसभा की 234 सीटों पर होने वाले चुनाव से ठीक पहले राज्य की गलियों में पहरा सन्नाटा किसी खामोशी का नहीं, बल्कि एक बहुत बड़े सियासी मंथन का संकेत है। इस बार का चुनाव केवल सत्ता का हस्तांतरण नहीं है, बल्कि यह इस बात का लिटमस टेस्ट है कि क्या 50 साल पुराना द्रविड़ वर्चस्व अब बहु-ध्रुवीय राजनीति के सामने झुकने को तैयार है? यानी एक गहरी राजनैतिक परिपक्वता और त्रिस्तरीय मुकाबले का संकेत है। विशेषकर महिला मतदाता, जो राज्य की आबादी का 51 प्रतिशत हैं, उन्होंने अपनी चुप्पी से डीएमके और एआईएडीएमके दोनों खेमों की नींद उड़ा दी है। हालांकि सभी राजनीतिक दल अपनी

नई चुनावी रणनीति के साथ चुनावी जंग में हैं। तमिलनाडु राजनीति के इतिहास पर नजर डाली जाए, तो चुनाव में तमिलनाडु की राजनीति में इस समय द्रविड़ दलों यानी द्रविड़ मुन्नेत्र कडगम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कडगम (एडीएमके) को अक्सर एक राजनीतिक महाशक्ति के रूप में देखा जाता है। ये दोनों प्रमुख दल ही पिछले दशकों से राज्य पर शासन करते आ रहे हैं, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार सियासी तस्वीर काफी बदली हुई नजर आ रही है। जहां पहले चुनावों में किसी एक पार्टी या गठबंधन की लहर नजर आती थी, वहीं इस बार ऐसा कोई सियासी परिदृश्य नहीं है। राजग और इंडिया गठबंधन दोनों अपनी-अपनी रणनीति के साथ मैदान में हैं, लेकिन जनता का मूड अभी भी शांति और सोच-समझकर फैसला लेने वाला दिख रहा है। राज्य में चुनावी सरगियों के बीच इस बार चुनावी रैलियों में वह पारंपरिक उन्माद नहीं दिख रहा, जो कभी एमजीआर, जयललिता या करुणानिधि के दौर में होता था। इस बार मतदाता मौन है और लगता है कि जनता इस बार उम्मीदवारों के चेहरों को नहीं, बल्कि उनके ट्रेकिंग कार्डों को ताल रही है। यह सन्नाटा बताता है कि मतदाता इस बार लहर के बहाव में नहीं, बल्कि परिणाम के प्रभाव पर वोट करेंगे। मसलन इस बार

का चुनाव यह तय करेगा कि क्या तमिलनाडु अपनी पारंपरिक द्रविड़ सीमाओं में ही रहेगा या फिर वह राष्ट्रीय मुख्यधारा की राजनीति और नए क्षेत्रीय चेहरों के लिए अपने दरवाजे खोलेगा। दरअसल जब तमिलनाडु का मतदाता शांत होता है, तो वह अक्सर किसी बड़े उलटफेर की पटकथा लिख रहा होता है। 4 मई के नतीजे एक मुख्यमंत्री नहीं चुनेंगे, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की आधी सदी का रुख तय करेंगे।

## डीएमके का वर्चस्व और एडीएमके का अस्तित्व

सत्ताधारी डीएमके अपने द्रविड़ मॉडल और महिला केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं के भरोसे मैदान में है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के लिए यह चुनाव अपनी विरासत को स्थाई बनाने की लड़ाई है। इसमें उनका मजबूत कैंडिड और सरकारी योजनाओं की जमीनी पहुंच मानी जा रही है। हालांकि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का चेहरा सबसे बड़ा है, लेकिन गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस, छोटे दलों और वामपंथी दलों में दबाव हुई नाराजगी के साथ ही कार्यकर्ताओं के बीच जमीनी स्तर पर तालमेल की कमी एक 'अदृश्य दार' पैदा कर रही है। वहीं सनातन धर्म जैसे विवादाि बयानों ने जिस तरह राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन को असहज किया है, उसका असर

स्थानीय स्तर पर भाजपा भुनाने की कोशिश कर रही है। भाजपा के लिए तमिलनाडु हमेशा से एक अजेय दुर्ग रहा है, लेकिन इस बार पार्टी ने अपनी रणनीति बदली है। एआईएडीएमके के साथ दोबारा हुए गठबंधन ने राजग को नई ऊर्जा दी है। हालांकि एआईएडीएमके का आंतरिक नेतृत्व संकट अभी भी पूरी तरह सुलझा नहीं है। के. अन्नामललाई के नेतृत्व में भाजपा ने खुद को आक्रामक विपक्ष के रूप में पेश किया है। वे हिंदुत्व को तमिल गौरव से जोड़कर उस वैचारिक चक्रव्यूह को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे द्रविड़ राजनीति ने दशकों से बनाया था। वहीं इस चुनाव में अभिनेता से नेता बने विजय और उनकी पार्टी तमिझना वेन्नी टीवीके इस चुनाव के सबसे बड़े ब्लेक हॉर्स साबित हो सकते हैं। पहली बार वोट देने वाले करोड़ों युवा, जो पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से अलग विकल्प ढूंढ रहे हैं। यह विजय का फैन बेस अगर पोलिंग बूथ तक पहुंचा, तो वह बड़े-बड़े दिग्गजों का सियासी गणित बिगाड़ सकता है। तमिलनाडु की सियासत में 2026 का विधानसभा चुनाव एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व मोड़ पर खड़ा है। राज्य के राजनीतिक इतिहास में शायद यह पहला मौका है जब डीएमके, एआईएमके, भाजपा और कांग्रेस जैसे सभी मुख्यधारा के दलों ने किसी भी ब्राह्मण उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है।

# आम्बेडकरवादी भी जातिवादी हैं!

भारतीय समाज में जाति एक जटिल और गहराई से जड़ जमाई हुई संरचना रही है, जिसे समाप्त करने का सबसे सशक्त और स्पष्ट आह्वान डॉ. भीमराव आम्बेडकर ने किया था। उन्होंने न केवल जाति-प्रथा की आलोचना की, बल्कि एक ऐसे समाज की कल्पना की जो समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर आधारित हो। उनके विचारों का मूल उद्देश्य था, जाति का उन्मूलन। आज एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है कि क्या स्वयं को आम्बेडकरवादी कहने वाले लोग इन मूल्यों को व्यवहार में उतार पा रहे हैं या कहीं वे भी उसी जातिवादी सोच के शिकार हो गए हैं, जिसका विरोध आम्बेडकर ने किया था। शादी-विवाह जाति के भीतर ही हो रहा है और गैर आम्बेडकरवादी जातियों की तरह खुद को जाति के संगठन खड़ा कर दिया है। रीति-रिवाज, शादी-विवाह, जाति के आधार पर राजनीति का समर्थन, अपनी जाति को ऊंचा मानना आदि व्यवहार वैसे ही हैं जैसे अन्य हिंदू समाज का है। पुरुष समाज अपनी महिलाओं को उन्हीं बंधनों में रखता है जैसे अन्य, जो जागृति दिखती है वो मुख्यतः खुद की सुविधा, धन और सम्मान को प्राप्ति के लिए है। डा आम्बेडकर ने अपनी प्रसिद्ध कृति Annihilation of Caste में स्पष्ट लिखा था जाति केवल श्रम का विभाजन नहीं है, बल्कि श्रमिकों का विभाजन है। इस कथन में उन्होंने यह रेखांकित किया कि जाति-प्रथा समाज को केवल कार्य के आधार पर नहीं, बल्कि मनुष्यों को स्थाई रूप से अलग-अलग वर्गों में बांट देती



डा. उदित राज

है। उनका मानना था कि जब तक जाति का अस्तित्व रहेगा, तब तक सच्चा लोकतंत्र और सामाजिक न्याय संभव नहीं है। इसके बावजूद, वर्तमान सामाजिक व्यवहार में एक विरोधाभास देखने को मिलता है। अनेक लोग जो स्वयं को आम्बेडकरवादी कहते हैं, वे सामाजिक-राजनीतिक मंचों पर समानता और अधिकारों की बात करते हैं, लेकिन निजी जीवन में, विशेषकर विवाह और सामाजिक संबंधों के मामले में, जाति को प्राथमिकता देते हैं। यह प्रवृत्ति केवल एक समुदाय तक सीमित नहीं है यह व्यापक सामाजिक मनोविज्ञान का हिस्सा बन चुकी है। डा. आम्बेडकर ने अंतरजातीय विवाह को जाति-प्रथा को तोड़ने का सबसे प्रभावी साधन माना था। उन्होंने कहा था जाति को समाप्त करने का वास्तविक उपाय है, अंतरजातीय विवाह। उनके अनुसार, जब तक लोग अपने ही जाति-समूह के भीतर विवाह करते रहेंगे, तब तक जाति की दीवारें बनी रहेंगी। इस संदर्भ में यह सवाल उठाना स्वाभाविक है कि यदि आम्बेडकरवादी भी अपने व्यक्तिगत जीवन में इस सिद्धांत को अपनाने से हिचकते हैं, तो फिर उनके विचार और आचरण में

सामंजस्य कैसे स्थापित होगा? महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण के मामले में भी एक समान विरोधाभास देखा जा सकता है। डा. अंबेडकर महिलाओं की स्वतंत्रता और अधिकारों के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने कहा था, मैं किसी समुदाय की प्रगति को इस आधार पर मापता हूँ कि उस समुदाय की महिलाओं ने कितनी प्रगति की है। इसके बावजूद, आज भी कई समाजों में, चाहे वे किसी भी विचारधारा से जुड़े हों, महिलाओं के प्रति पारंपरिक और सीमित दृष्टिकोण बना हुआ है। अंबेडकरवादी समाज भी इस प्रवृत्ति से मुक्त नहीं दिखता। यह भी सच है कि सामाजिक और आर्थिक संसाधनों तक पहुंच के लिए पहचान-आधारित राजनीति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों के लिए संगठित होना और अपने अधिकारों की मांग करना आवश्यक रहा है, लेकिन जब यह पहचान केवल सुविधा, सम्मान और संसाधनों की प्राप्ति तक सीमित रह जाती है और जीवन के अन्य पहलुओं में समानता को मूल्यों को नहीं अपनाया जाता, तो यह एक प्रकार का वैचारिक द्वंद उत्पन्न करता है। डा. भीमराव अंबेडकर ने 25 नवंबर 1949 को संविधान सभा में अपने अंतिम भाषण में चेतावनी दी थी कि राजनीति में भक्ति या किसी नेता की अंधपूजा (Hero-worship) पतन और तानाशाही का सीधा रास्ता है। उन्होंने कहा था कि धर्म में भक्ति आत्मा की मुक्ति हो सकती है, लेकिन राजनीति में यह आत्म-विनाशकारी है, क्योंकि यह अंततः लोकतंत्र को तानाशाही में बदल देती है। इसके विपरीत कथित



दलित और पिछड़ों के नेता वोट बैंक की होड़ में अपने-अपने जाति के संगठन खड़ा कर दिए हैं। यह उतने ही जातिवादी हैं जितने अन्य दल जातियां और जाति के लोग अंध भक्त बन गए हैं और यह प्रक्रिया जारी है। यहीं पर आम्बेडकरवाद धराशायी हो जाता है और इनके जातियों के चरित्र और व्यवहार दूसरों के समान हो जाते हैं। आम्बेडकरवादी होना केवल एक पहचान या नारा नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, उन मूल्यों को अपने जीवन में उतारने की, जिनके लिए डॉ. अंबेडकर ने संघर्ष किया। जाति-प्रथा का विरोध केवल भाषणों और लेखों तक सीमित नहीं होना चाहिए इसे व्यक्तिगत और पारिवारिक निर्णयों में भी परिलक्षित होना चाहिए। अंततः, यह समझना होगा कि जाति-विहीन समाज का निर्माण केवल किसी एक वर्ग या समुदाय का कार्य नहीं है। यह एक सामूहिक प्रयास है, जिसमें हर व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। यदि हम वास्तव में डॉ. आम्बेडकर के विचारों का सम्मान करना चाहते हैं, तो हमें उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में ईमानदारी से लागू करना होगा, चाहे वह अंतरजातीय

विवाह का समर्थन हो, महिलाओं के अधिकारों की रक्षा हो, या सामाजिक समानता की दिशा में ठोस कदम उठाना हो। सवर्णों को हर दुख और भेदभाव के लिए दोष देने से कभी भी उझार नहीं होगा। हां, सवर्णों के खिलाफ बोलकर कुछ लोग नेता तो बन जाते हैं परंतु खुद के समाज को नहीं बदलेंगे। प्रत्येक मानव स्वतंत्र पैदा हुआ, लेकिन परिवार और समाज उसे अपनी तरह डालते हैं और यह प्रक्रिया पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है। एक तरह से हम अतीत को अलग-बगल के रीति-रिवाज और परंपरा की फोटोकॉपी बनकर रह गए हैं। डॉ. आम्बेडकर ने कहा था कि अपने मस्तिष्क को विकसित करो और जो ऐसा करेगा, खुद प्रगति कर सकेगा और सवर्ण भी उसको नहीं रोक सकते। (लेखक दलित, ओबीसी, मॉडर्नरीटिज एवं आदिवासी संगठनों का परिसंघ (डोपा परिसंघ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस (केकेसी) के राष्ट्रीय चेयरमैन हैं, व्यक्ति विचार उनके निजी हैं)

शाह टाइम्स



अगरतला। त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) चुनाव के दौरान मतदान केंद्र के बाहर अपना वोट डालने के लिए कतार में खड़े होकर अपने पहचान पत्र दिखाते मतदाता।

युगाडा आर्मी चीफ ने तुर्की से सबसे खूबसूरत महिला मांगी

कम्पाला। युगांडा के आर्मी चीफ और राष्ट्रपति के बेटे मुहजी कैनेरुगाबा ने तुर्की से 1 अरब डालर (9000 करोड़) और देश की 'सबसे खूबसूरत महिला' को अपनी पत्नी बनाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं हुई तो तुर्की से कूटनीतिक संबंध खत्म कर दिए जाएंगे और तुर्की एयरलाइन पर रोक लगाई जा सकती है। कैनेरुगाबा ने एक्स पर लिखा कि अगर तुर्की

ने हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो 30 दिन में संबंध तोड़ दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि या तो वे भुगतान करें या हम उनका दूतावास बंद कर देंगे। उन्होंने युगांडावासियों को तुर्की यात्रा से बचने की सलाह दी और इजराइल के समर्थन में। लाख सैनिक भेजने की पेशकश की। हालांकि, इस पर तुर्की की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

2-3 महत्वपूर्ण मुद्दों पर अटक की बातचीत: ईरान

कई मुद्दों पर सहमति बनी, अंततः वार्ता किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रही



ईरान के प्रस्ताव 'व्यावहारिक' अब अमेरिका को यथार्थवादी रुख अपनाना होगा

मास्को। ईरान और अमेरिका कई मुद्दों पर सहमत हुए लेकिन दो-तीन महत्वपूर्ण मुद्दों पर असहमति होने के कारण इस्लामाबाद में हुई बातचीत के बाद समझौता नहीं हो सका। यह जानकारी ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगई ने दी। मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार, बगई ने कहा कि हमारे बीच कई मुद्दों पर सहमति बनी लेकिन दो-तीन महत्वपूर्ण मुद्दों पर हमारे विचार अलग-अलग थे और अंततः वार्ता किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आठ अप्रैल को रात ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम समझौते की घोषणा की थी जिसके बाद, ईरान और अमेरिका ने शनिवार को इस्लामाबाद में वार्ता की।

कूटनीति कमी खत्म नहीं होती: ईरान

नेहरान। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगई ने कहा कि पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच हुई वार्ता से कोई नतीजा नहीं निकला है। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कूटनीति कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने कहा कि ये वार्ताएं 40 दिनों के थोपे गए युद्ध के बाद हुईं और अविश्वास और संदेह के माहौल में आयोजित की गईं। यह स्वाभाविक है कि हमने शुरू से ही एक ही बैठक में समझौते पर पहुंचने की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा कि किसी ने भी इसकी उम्मीद नहीं की।

जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद आयोजित की गई थी। इस बीच, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख जेडी वेंस ने कहा कि लंबी बातचीत के बावजूद कोई समझौता नहीं हो सका और अमेरिकी दल खाली हाथ लौट रहा है। इस पर प्रतिक्रिया

ईरान से वार्ता विफल होने पर भड़के ट्रम्प

अमेरिका के राष्ट्रपति ने ईरान को बताया जिम्मेदार, होर्मुज की सैन्य नाकेबंदी का किया ऐलान

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। पाकिस्तान में हुई नाकाम शांति वार्ता के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बेहद सख्त और तीखा बयान जारी किया है, जिसने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने का वादा किया था, लेकिन जानबूझकर उसे तोड़ा, जिससे दुनिया भर में आर्थिक अस्थिरता, डर और संकट की स्थिति पैदा हो गई है।



होर्मुज से पास होने वाले जहाजों की निगरानी करेगी अमेरिकी नौसेना, ईरान पर ब्लैकमेल करने का आरोप

ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी भरे अंदाज में तुरंत इस जलमार्ग को खोलने की मांग की

उनके मुताबिक, यह कदम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बन चुका है और ईरान को गैर-जिम्मेदार हकतों ने वैश्विक व्यवस्था को चुनौती दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर सोशल पर पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी आरोप लगाया कि ईरान ने समुद्र में बारूदी माइंस बिछाई हैं, जिससे जहाजों की आवाजाही खतरों में पड़ गई है। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि ईरान को इन हकतों से उसकी अंतर्राष्ट्रीय छवि खराब हुई है और वह अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने ईरान को चेतावनी भरे अंदाज में तुरंत इस जलमार्ग को खोलने की मांग की और कहा कि इसे तेजी से लागू किया जाना चाहिए। एक दूसरे पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के साथ हुई बैठक में ज्यादातर मुद्दों पर सहमति बन गई, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा परमाणु कार्यक्रम पर कोई

समझौता नहीं हो सका। ट्रम्प के अनुसार, इसके बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य में आने-जाने वाले सभी जहाजों की निगरानी और रोकने की प्रक्रिया शुरू करेगी। इसके साथ ही टोल देकर होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को अमेरिकी नौसेना रोकेंगी। उनका कहना है कि जब तक पूरी तरह भरोसेमंद स्थिति नहीं बनती, तब तक यह कदम जारी रहेगा। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि ईरान यह कहकर अस्थिरता पैदा कर रहा है कि समुद्री रास्तों में कहीं बारूदी सुरंगें (माइन्स) हो सकती हैं, जिससे जहाज मालिक जोखिम लेने से डर रहे हैं। उनके अनुसार, इसी वजह से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रभावित हो रहा है। उन्होंने इस स्थिति को वैश्विक दबाव और ब्लैकमेल बताया और कहा कि कोई भी देश, खासकर अमेरिका, इस तरह के दबाव में नहीं आएगा। ट्रम्प ने साफ कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश इस पूरे मामले पर सख्त नजर

रख रहे हैं और जरूरत पड़ने पर आगे कदम उठाए जाएंगे। ट्रम्प ने कहा कि हालांकि ईरान को नौसेना और उसके अधिकांश बारूदी सुरंगों का जवाब देने वाले जहाज पहले ही नष्ट किए जा चुके हैं, फिर भी इस पूरे मामले को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तनाव बना हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान ने समुद्री क्षेत्र में बारूदी सुरंगें बिछाई हैं, जिससे जहाजों को आवाजाही पर खतरा पैदा हो गया है। ऐसी स्थिति में कोई भी जहाज मालिक जोखिम लेने को तैयार नहीं है, क्योंकि सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है। इससे वैश्विक व्यापार और समुद्री आवागमन प्रभावित हो रहा है। अपने पोस्ट में ट्रम्प ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका और ईरान के बीच करीब 20 घंटे लंबी बातचीत हुई, लेकिन ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने दो टूक अंदाज में साफ कहा कि

वार्ता विफल होने के बीच ट्रम्प यूएफसी इवेंट में हुए शामिल

प्लोरिडा। अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में हुई वार्ता बेतुतीजा रही है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शनिवार को फ्लोरिडा में यूएफसी इवेंट में शामिल हुए। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने इवेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। ट्रम्प मियामी में यूएफसी 327 में पहुंचे, जहां फाइट देखने के लिए एरिना में जाने से पहले यूएफसी के अध्यक्ष डाना व्हाइट ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ उनकी बेटी इवांका ट्रम्प, पोती काई ट्रम्प उनके परिवार के कई सदस्य भी मौजूद रहे। अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी शामिल थे। अमेरिकी राष्ट्रपति को यह मौजूदगी ऐसे समय में हुई है जब इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका की बातचीत बिना किसी नतीजे के खत्म

रिखा और उसके सहयोगी देश इस स्थिति पर नजर रख रहे हैं और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी की जाएगी। अपने पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के इस्लामाबाद में हुई एक बैठक का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इस बातचीत में भारत और पाकिस्तान के बीच बड़े युद्ध को रोकने पर चर्चा हुई, जिससे लाखों लोगों की जान बची।

ईरान को कभी भी परमाणु हथियार नहीं रखने दिए जाएंगे। इसके साथ ही ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि ईरान को नौसेना, एयरफोर्स और रक्षा प्रणाली कमजोर हो चुकी है और उन्होंने अमेरिका की सैन्य ताकत का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने हमला किया या बाधा डाली, तो कड़ा जवाब दिया जाएगा। ट्रम्प ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि अमे-

एक बार फिर भारत और यूएई के मजबूत रिश्ते चर्चा में

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर के यूएई दौरे ने एक बार फिर भारत और यूएई के मजबूत रिश्तों को चर्चा में ला दिया है। उन्होंने दुबई और अबू धाबी में शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर भारत की चिंताओं और प्राथमिकताओं को सामने रखा। खास तौर पर पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच भारतीय समुदाय की सुरक्षा और दोनों देशों के रणनीतिक रिश्तों पर जोर दिया गया।



जयशंकर ने भारतीय समुदाय के लोगों को दिया पीएम मोदी का संदेश, राष्ट्रपति से भी की मुलाकात

जयशंकर ने बताया कि उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश दिया। इस दौरान दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार और आर्थिक सहयोग जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही हालिया संघर्ष के दौरान यूएई में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और देखभाल के लिए धन्यवाद भी व्यक्त किया गया। जयशंकर ने यूएई के राष्ट्रपति को अलावा दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला पर भी मुलाकात की। इन बैठकों में दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को भी मजबूत करने पर चर्चा हुई। उन्होंने भारतीय समुदाय की भावनाएं और अनुभव भी यूएई नेतृत्व तक पहुंचाए। विदेश मंत्री ने साफ कहा कि इस पूरे दौर में भारतीय समुदाय उनकी सबसे बड़ी चिंता

रहा। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के दौरान भारत में भी लोगों को उनकी सुरक्षा की चिंता थी। जयशंकर ने यूएई सरकार द्वारा भारतीयों की देखभाल के लिए आभार जताया और समुदाय की प्रतिक्रिया भी साझा की। बैठकों में ऊर्जा सहयोग, व्यापार और आर्थिक साझेदारी पर भी विस्तार से सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। यह भी माना गया कि मौजूदा हालात में आर्थिक सहयोग और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। जयशंकर ने कहा कि क्षेत्र में हालात काफी जटिल हैं और भारत का इस क्षेत्र में बड़ा हित जुड़ा है। इसलिए सुरक्षा और स्थिरता पर खुलकर चर्चा हुई।

न्यू जर्सी में गोलीबारी से एक की गई जान

न्यूयॉर्क में बुजुर्गों पर हमला करने वाला सनकी हमलावर डेर

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क में हुई दो अलग-अलग हिंसक घटनाओं ने लोगों को दहशत में डाल दिया है। पहली घटना न्यू जर्सी के यूनिवर्सिटी टाउनशिप की है, जहां एक मशहूर फास्ट-फूड रेस्टोरेंट 'चिक-फिल-ए' में शनिवार रात करीब 8:40 बजे अचानक गोल। 'बोरो' शुरू हो गई। हमलावर रस्तारों के अंदर घुसे और काउंटर के पीछे पहुंचकर अधोधुंध गोलियां चलाती शुरू कर दीं। उस समय रेस्टोरेंट में कई ग्राहक और कर्मचारी मौजूद थे, जिससे वहां भगदड़ मच गई। इस हमले में कम से कम छह लोगों को गोली लगी है। इनमें से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो

कूछ ही सेकंड में रस्तारों का माहौल किसी युद्ध के मैदान जैसा हो गया था। जबकि अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चरमदरों में बताया कि कूछ ही सेकंड में रस्तारों का माहौल किसी युद्ध के मैदान जैसा हो गया था। पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया है और यूनिवर्सिटी काउंटी प्रासिक्यूटर आफिस मामले की जांच कर रहा है। अभी तक हमलावरों की पहचान और हमले की वजह का पता नहीं चल पाया है। दूसरी घटना न्यूयॉर्क के ग्रैंड सेंट्रल स्टेशन की है। शनिवार सुबह करीब 9:50 बजे 44 साल के एंथनी ग्रिफिन ने बिना किसी

तुर्की में नेतन्याहू समेत 35 लोगों पर केस

4600 साल तक जेल की सजा की मांग, मामला गाजा जा रहे राहत मिशन पर कथित हमले से जुड़ा



इस्तांबुल। तुर्की में इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू समेत 35 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

यह मामला गाजा जा रहे राहत मिशन पर कथित हमले से जुड़ा है। इस्तांबुल के मुख्य सरकारी वकील के दफ्तर ने आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें सभी आरोपियों के लिए कड़ी सजा की मांग की गई है। इसमें उम्रकैद के साथ 1102 साल

से लेकर 4596 साल तक की अतिरिक्त सजा की मांग शामिल है। आरोपों में मानवता के खिलाफ अपराध, नरसंहार, गैरकानूनी हिरासत, यतना और लूट जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह मामला पिछले साल सितंबर में हुई एक घटना से जुड़ा है, जब सुमुद्र फ्लोटिला नाम का एक राहत मिशन गाजा को और जा रहा था। इन जहाजों में 'खाने-पीने का सामान, दवाइयां और दूसरी जरूरी मदद भेजी जा रही थी'

इस्तांबुल। तुर्की में इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू समेत 35 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। यह मामला गाजा जा रहे राहत मिशन पर कथित हमले से जुड़ा है। इस्तांबुल के मुख्य सरकारी वकील के दफ्तर ने आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें सभी आरोपियों के लिए कड़ी सजा की मांग की गई है। इसमें उम्रकैद के साथ 1102 साल

रुस यूएन महासचिव पद के चयन प्रक्रिया में रहेगा सक्रिय: विदेश मंत्रालय

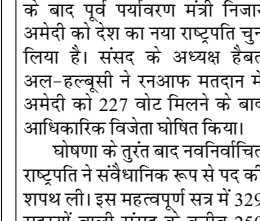
मास्को। रुस संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के लिए उम्मीदवारों के नामांकन पर बारीकी से नजर रख रहा है और चयन प्रक्रिया में पूरी तरह से सक्रिय रहना चाहता है। यह जानकारी रुसी विदेश मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय संगठनों विभाग के निदेशक किरिल लोविगनोव ने स्पष्ट किया है। लोविगनोव ने कहा कि रुसी पक्ष अगले महामहिम चयन के चयन की प्रक्रिया को पूरी तरह से जानें का इरादा रखता है। हम नामांकन प्रक्रिया पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र महासचिव का पद अत्यंत महत्वपूर्ण बना हुआ है।

ताइवान सीमा के पास चीनी जहाज-लड़ाकू विमान की हलचल

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को अपने समुद्री और हवाई क्षेत्र के पास चीन की बड़ी सैन्य गतिविधियों का पता लगाया है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि आज सुबह छह बजे तक ताइवान के आसपास चीन के 8 पीएलएएन जहाज, 2 पीएलएएन एयरक्राफ्ट और 4 सरकारी जहाज मौजूद थे। इन 2 विमानों में से एक विमान ने ताइवान के दक्षिण-पूर्वी हवाई सुरक्षा क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया। ताइवान की सेना (एमएनडी) ने इस पूरी स्थिति पर कड़ी नजर रखी और उचित जवाब दिया। इससे पहले शनिवार को भी चीन ने ताइवान की सीमाओं के पास भारी सैन्य दबाव

इराक में खत्म हुआ लंबा राजनीतिक गतिरोध

निजार अमेदी बने देश के नए राष्ट्रपति, जल्द होगा नए पीएम का चुनाव



पहले दौर में किसी भी उम्मीदवार को दो-तिहाई बहुमत नहीं मिला, इसलिए मुकाबला अमेदी और अमीन के बीच दूसरे दौर में चला गया

बगदाद। इराक की संसद ने राजधानी बगदाद में एक अहम मतदान के बाद पूर्व पर्यावरण मंत्री निजार अमेदी को देश का नया राष्ट्रपति चुन लिया है। संसद के अध्यक्ष हैबत अल-हलबूसी ने रनआफ मतदान में अमेदी को 227 वोट मिलने के बाद आधिकारिक विजेता घोषित किया। घोषणा के तुरंत बाद नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने संवैधानिक रूप से पद की शपथ ली। इस महत्वपूर्ण सत्र में 329 सदस्यों वाली संसद के करीब 250 सांसद मौजूद थे। राष्ट्रपति चुनाव के लिए कम से कम 220 सांसदों की मौजूदगी जरूरी थी, इसलिए यह संख्या तय कोरम से अधिक थी। टीवी पर दिखाए गए सत्र के अनुसार, अमेदी को उम्मीदवार मुकाबला अमेदी और अमीन के बीच दूसरे दौर में चला गया। अमेदी बगदाद में पीयूके के राजनीति

**यौन समस्याएं**  
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ  
पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें  
**डा. सम्राट**  
नशा मुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन केप्सूल अपीएम, चरस, डोडे पोस्ट इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।  
नावल्टी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यू.पी.)  
M-9412211108